22. मेरा प्रिय त्योहार : होली

(My Favourite Festival : Holi)

होली मेरा सबसे प्रिय त्योहार है। इस दिन घर-घर में उमंग एवं प्रसन्नता छायी रहती है। बाज़ारों में कई दिनों पूर्व से ही चहल-पहल देखी जा सकती है। मैं होली के अवसर पर माता-पिता के साथ खरीदारी करने जाता हूँ। नये वस्त्र, रंग, अबीर, पिचकारी आदि की खरीदारी करता हूँ। इनके अलावा पकवानों की सामग्री भी खरीदी जाती है। होली के दिन बहुत धूम-धाम रहती है। मैं अपने मित्रों तथा हमउम्र लोगों पर रंग डालता हूँ। मित्र भी मेरे साथ होली खेलते हैं। पिताजी तथा बुज़ुर्ग माथे पर गुलाल लगाकर मुझे आशीर्वाद देते हैं। फिर पुए-पकवानों को खाने तथा खिलाने का सिलसिला आरंभ होता है। आँगन तथा गलियों में लोग खुश होकर नाचते हैं तथा एक-दूसरे पर रंग डालते हैं। इस दिन लोग आपसी वैर और द्वेष भुलाकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं। शाम को ढोल-नगाड़े बजाए जाते हैं। लोग गीत गाकर नाचते हैं। मैं इन कार्यक्रमों में उत्साह से भाग लेता हूँ। रंगों का त्योहार होली मुझे बहुत ही आकर्षक लगता है। यह हमें बुराई से दूर रहने तथा अच्छाई के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है।